

B.A. PART – I

23. DRAWING & PAINTING

Scheme :

Total Max. Marks : 200

Min. Mass Marks : 72

Total Periods : 11 per week

Paper I (Theory) : Fundamental of Fine Arts

Duration : 3 Hrs.

Max. Marks : 100

Min. Marks : 36

Paper II (Practical) : Still Life Study

Duration : 5 Hrs.

Max. Marks : 40

Min. Marks : 15

Paper III (Practical) : Rendering

Duration : 5 Hrs.

Max. Marks : 40

Min. Marks : 15

Submission of Practical work

Max. Marks : 20

Min. Marks : 7

New Pattern of Examination Scheme (Theory)

Part – A

All 10 Questions are compulsory. Answer should be not more than 50 words. All questions carry equal marks.

Marks : 30

Part – B

All 5 Questions are compulsory. Answer should be not more than 100 words. All questions carry equal marks.

Marks : 25

Part – C

Candidates are required to attempt 3 questions in total selecting one questions from each unit. Answer should not be more than 400 words. All questions carry equal marks.

Marks : 45

PAPER – I (THEORY) : FUNDAMENTAL OF FINE ARTS

Period : 4 Periods per week

Max. Marks : 100

Duration : 3 Hrs.

Min Marks : 36

UNIT-I

Definition of fine arts, Meaning and Importance. Visual and Performing Arts (Painting, Sculpture, Music, Dance & Drama), various Art Style – Tribal and Folk Art, Child & Classical, Modern Art, Art Galleries and Centers of Art.

UNIT-II

Elements of painting – Line, Form, Colour, Tone, Texture, Space.

Principle of Composition – Unity, Harmony, Balance, Rhythm, Dominance, Proportion, Perspective, Drawing & Rendering, Six Limbs of Indian Painting.

UNIT-III

Creative process– observation, perception. Imagination and creative expression. Art Techniques and materials – Fresco – Buno and Secco wash, Graphic art, Lino, wood cut, Etching, Colograph, Lithograph etc. Colour media and Technique Oil, Water Acrylic, Tempera, Pastel.

- | | | |
|----|------------------|-----------------------------|
| 1. | Herbert Read | Meaning of Art |
| 2. | Nathan K. Nobler | The Visual Dialogue |
| 3. | Joseph A Gutho | Exploring Visual Design |
| 4. | Dr. R.A. Agarwal | Fundamentals of Visual Arts |

PRACTICAL PAPER – II : STILL LIFE STUDY

Period : 3 Periods per week

Max. Marks : 40

Duration : 5 Hrs.

Min Marks : 15

The Examination shall have two sessions of 2½ hours each with a break of 30 minutes in between.

Size of Answer Sheet: ½ imperial

Medium : Water colour Tempera / Oil colour, Acrylic or Mix Media.

A group of object not more than five objects should be arrange according to shape and colour against drapery (back ground and foreground with simple folds). One cuboid or rectangular shape (object) is compulsory. The objects should include common articles of daily use like pots of different shape. Flowers, Fruits, Vegetables, Bottles, Decoration pieces, Toys and shoes etc. The realistic impression of objects, light and shade, proportion perspective, proper handling of the medium are necessary in the presentation of the painting. The three dimensional effect should be clearly shown.

PRACTICAL PAPER – III : RENDERING

Period : 3 Periods per week Max. Marks : 40

Duration : 5 Hrs. Min Marks : 15

The Examination shall have two sessions of 2½ hours each with a break of 30 minutes in between.

Size of answer sheet : ½ imperial.

Medium : Water colour, Tempera, Oil colour Acrylic or Mix Media.

Composition should be colourful rendering of the forms arranged, showing texture and tones to create harmony, rhythm and creative beauty in the picture.

Submission of Practical Work:

Period : One Period per week for outdoor sketching.

Max. Marks : 20

Min. Marks : 7

1. Five plates of each paper should be mounted well and be presented in a proper portfolio.
2. Work should be done in the classroom duly signed by the subject teacher with date.
3. A sketch- book containing not less than 100 sketches, size ¼ imperial. Group of objects, Flowers, Trees, Human figures and animals should be composed in sketches.

Medium – Ink, Pen, Pencil or Monochrome.

Submission work will be submitted to the Head (Incharge) of the department of Drawing & Painting fifteen days before the commencement of examination. The marks of the submission work will be awarded internally by the subject teacher. Submission work will be retained till declaration of the result and returned to the candidate there after. If no claim is made within one month after the declaration of the result, the submission will be destroyed.

Note: Department will take every care of the submission work but it will not be responsible for any damage or loss. The candidate will have no right to claim against the loss.

Note:

- A.** There should be minimum 11 periods for the regular study. 4 periods for theory 6 periods for practicals and 1 period for outdoor sketching. One batch will consist of 12 students.
- B.** Practical Examination, paper II & III will be conducted at the centre. An external examiner will examine the answer sheets in consultation with an internal examiner, the subject teacher.
- C.** There will be no supplementary examination and revaluation in practical paper II & III.
- D.** It is compulsory to pass in every paper separately including submission of practical work.
- E.** Computer is very helpful & important to the drawing & painting students in theory & practical studies. Therefore, the dept. should take care for providing the computers to the students.
- F.** The ratio of periods must be counted as one is to one of practical & theory paper in drawing & painting subject.
- G.** The Department should also arrange for an educational tour to ancient art centres like Ajanta, Ellora, Elephanta, Khajuraho, Mahabalipuram, National Gallery of Modern art New Delhi Art Galleries, Museums, Other Art centres atleast once in a year.

चित्रकला

योजना

कुल अधिकतम अंक— 200, कुल न्यूनतम उत्तीर्णांक— 72, कुल कालांश—11
प्रति सप्ताह

प्रश्न पत्र—I (सैद्धान्तिक) ललित कला के मूल आधार

अवधि : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100 न्यूनतम अंक : 36

प्रश्न पत्र—II (प्रायोगिक) निश्चल जीवन अध्ययन

अवधि : 5 घण्टे अधिकतम अंक : 40 न्यूनतम अंक : 15

प्रश्न पत्र—III (प्रायोगिक) अनुर्कन

अवधि : 5 घण्टे अधिकतम अंक : 40 न्यूनतम अंक : 15

सत्रीय प्रायोगिक कार्य

अधिकतम अंक : 20 न्यूनतम अंक : 7

नवीन परीक्षा योजना (सैद्धान्तिक) :

भाग—अ अंक : 30

सभी 10 प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

भाग—ब अंक : 25

सभी 5 प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

भाग—स अंक : 45

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चुनते हुए कुल तीन प्रश्न कीजिए। प्रश्नों का उत्तर 400 शब्दों से अधिक ना हो। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

नवीन पाठ्यक्रम योजना :

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक) :

ललित कला के मूल आधार

4 कालांश प्रति सप्ताह

अधिकतम अंक : 100

अवधि : 3 घण्टे

न्यूनतम अंक : 36

इकाई प्रथम

कला का अर्थ एवं परिभाषा, कला का महत्त्व, दृश्य कलाएं एवं प्रदर्शनकारी कलाएं (चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, नृत्य और नाट्यकला), शैली के आधार पर कलाओं के प्रकार— आदिवासी और लोककला, बालकला, शास्त्रीय कला एवं आधुनिक कला। कला – वोथिका एवं कला केन्द्र।

इकाई द्वितीय

कला के तत्त्व— रेखा, रूप, वर्ण, तान, पोत और अन्तराल, संयोजन के सिद्धान्त – सहयोग, सामंजस्य, संतुलन, प्रवाह, प्रभाविता, प्रमाण, परिप्रेक्ष्य, अंकन और अनुर्भकन भारतीय चित्रकला के छः अंग।

इकाई तृतीय

सृजनात्मक प्रक्रिया – निरीक्षण, प्रत्यक्षीकरण, कल्पना और सृजनात्मक अभिव्यक्ति।
कला विधियाँ और सामग्री – फ्रेस्को ब्यूनों और सेका और वॉश, ग्राफिक कला— लीनो, वुड (लकड़ी) इचिंग, लिथोग्राफ, कोलोग्राफ आदि।

रंग – माध्यम और तकनीक – तेल, जलरंग, एक्रेलिक, टेम्परा व पेस्टल।

पठनीय पुस्तकें :

1. रूपपद कला के मूल आधार – डॉ. आर.ए. अग्रवाल
2. रूपांकन – डॉ. गिर्राज किशोर अग्रवाल
3. कला निबन्ध – डॉ. गिर्राज किशोर अग्रवाल
4. ललितकला के आधारभूत सिद्धान्त – डॉ. मीनाक्षी कासलीवाल
5. रूपपद कला के मूल आधार – डॉ. प्रेमचन्द गोस्वामी

प्रश्न पत्र – द्वितीय (प्रायोगिक) :

निश्चल जीवन—अध्ययन

3 कालांश प्रति सप्ताह

अधिकतम अंक : 40

अवधि : 5 घण्टे

न्यूनतम अंक : 15

परीक्षा दो सत्रों में विभाजित होगी। प्रत्येक सत्र 2 घण्टे 30 मिनट का होगा तथा दोनों सत्र के मध्य 30 मिनट का अवकाश रहेगा।

उत्तर पत्र का आकार 1/2 इम्पीरियल

माध्यम : जलरंग – पारदर्शी, टेम्परा एवं तेल रंग

साधारण सलवटों वाले वस्त्राच्छादित अग्रभूमि व पृष्ठभूमि के समक्ष अधिकतम पांच वस्तुओं का एक समूह व्यवस्थित किया जाये। वस्तुओं में एक वस्तु वर्गाकार आयाताकार अनिवार्य है। दैनिक प्रयोग के बर्तन, विभिन्न आकारों के पात्र, फूल, फल, सब्जियाँ, शीशियाँ, सजावटी नमूने खिलौने, जूते आदि आकार और रंग के अनुसार व्यवस्थित किये जाने चाहिए। वस्तु समूह का यथार्थ प्रभाव, छाया व प्रकाश अनुपात परिप्रेक्ष्य, माध्यम का सही प्रयोग चित्र प्रस्तुति के लिए आवश्यक होगा। त्रिआयामी प्रभाव स्पष्ट दर्शाना चाहिए।

प्रश्न पत्र – तृतीय (प्रायोगिक) :

अनुअंकन

3 कालांश प्रति सप्ताह

अधिकतम अंक : 40

अवधि : 5 घण्टे

न्यूनतम अंक : 15

अनुअंकन (प्रश्न पत्र द्वितीय से प्रस्तुत वस्तु-समूह का सृजनात्मक चित्रण)

परीक्षा दो सत्रों में विभाजित होगी। 2 घण्टे 30 मिनट का एक सत्र होगा मध्यान्तर 30 मिनट का होगा। यह सृजनात्मक-चित्रण प्रस्तुत वस्तु समूह के आकारों की लय एवं संगति पूर्ण संयोजन में सौन्दर्य-निरूपण के उद्देश्य से रंगीन छटाओं, माध्यमीय-व्यवहारिक-तलचित्र के साथ आकर्षक प्रस्तुति हो। आकारों का कलात्मक विऔतीकरण हो सकता है।

उत्तर पत्र का आकार 1/2 इम्पीरियल

माध्यम : जलरंग – पारदर्शी, अपारदर्शी, तेल रंग, ऐक्रेलिक व मिश्रित माध्यम

सत्रीय कार्य प्रस्तुति

1 कालांश प्रति सप्ताह

अधिकतम अंक : 20

न्यूनतम अंक : 7

विशेष नोट : सत्रीय कार्य क्षतिग्रस्त होने पर या गुम होने पर छात्र को किसी प्रकार का दावा प्रस्तुत करने का एवं क्षतिपूर्ति राशि प्राप्त करने का अधिकार नहीं होगा।

सत्रीय कार्य परीक्षा प्रारम्भ होने से 15 दिन पूर्व प्रस्तुत किया जाये। विषय प्राध्यापक सत्रीय कार्य का आन्तरिक मूल्यांकन करेगे। सत्रीय कार्य प्रस्तुति परीक्षा परिणाम के बाद परीक्षार्थी को वापस लौटा दी जायेगी। यदि एक माह तक छात्र उसे वापस लेने नहीं आता तो सत्रीय कार्य को नष्ट कर दिया जायेगा।

सत्रीय कार्य निम्न प्रकार प्रस्तुत करना होगा—

1. कुल 10 चित्र प्रश्न पत्र— द्वितीय से 5 एवं प्रश्न पत्र – तृतीय से भी 5 चित्र जमा कराने होंगे, जिन्हें माउन्ट करने के बाद भली-भाँति पोर्टफोलियो में व्यवस्थित किया जाए। सत्र का कक्षा कार्य ही सत्रीय कार्य होगा। वस्तु-चित्रण अध्ययन का सत्रीय-कार्य, एक पेन्सिल में, एक मोनोक्रोम (एक वर्णीय) में व शेष सम्पूर्ण रंग में होना चाहिए।
2. एक रेखांकन पुस्तिका साईज $1/4$ इम्पीरियल की जिसमें 100 से कम पृष्ठ न हो। रेखांकन वास्तविक, सृजनात्मक हो व प्रकृति, मानव-आकृतियां, पशु-पक्षी स्मारक एवं भवन आदि के हो, जमा करायें।
3. माध्ययम : पैन, स्याही या पेन्सिल

विशेष : सत्रीय कार्य क्षतिग्रस्त होने पर या गुम होने पर छात्र को किसी प्रकार का दावा प्रस्तुत करने का एवं क्षतिपूर्ति राशि प्राप्त करने का अधिकार नहीं होगा।

नोट :

- अ. छात्रों को सैद्धान्तिक व प्रायोगिक सभी प्रश्न पत्रों में अलग-अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
- ब. अध्ययन के लिये सप्ताह में 11 कालांश होंगे। सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र के 4 कालांश प्रायोगिक प्रश्न-पत्रों के लिए 6 कालांश होंगे और 1 कालांश, कक्षा से बाहर रेखांकन अभ्यास के लिए होगा। एक बैच में 12 विद्यार्थी होंगे।

- स. प्रायोगिक परीक्षायें केन्द्र पर आयोजित होंगी। बाह्य परीक्षक आन्तरिक परीक्षक (जो चित्रकला विभाग का विषय प्राध्यापक होगा) से विचार-विमर्श करते हुए प्रायोगिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे। प्राचार्य, आन्तरिक परीक्षक की नियुक्ति विभागाध्यक्ष (विभाग प्रभारी) द्वारा नाम की प्रस्तुत व संस्तुति के आधार पर करेंगे।
- द. प्रश्न-पत्र द्वितीय व तृतीय का मूल्यांकन पृथक-पृथक होगा। दोनों प्रायोगिक प्रश्नपत्रों में कोई पूरक परीक्षा नहीं होगी। सत्रीय कार्य सहित सभी प्रश्नपत्रों में पृथक – पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- य. “कम्प्यूटर”, चित्रकला विषय के छात्र-छात्राओं के लिए सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं सहायक है। इसलिए चित्रकला विभाग कम्प्यूटर की सहायता छात्रों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था करें।
- र. चित्रकला विषय में प्रायोगिक प्रश्न-पत्र पूर्णरूपेण प्रायोगिक ही होता है और सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र पूर्णतः सैद्धान्तिक ही होता है। अतः प्रायोगिक प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र की तरह ही पूर्ण कालांश माना जाता है।
- ल. विभाग द्वारा वर्ष में कम से कम एक बार शैक्षणिक भ्रमण प्राचीन कला केन्द्रों के लिए आयोजित करना चाहिए जैसे अजन्ता, एलोरा, एलीफेन्टा, खुजराहो, राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा-नई दिल्ली, कला दीर्घायें, संग्रहालय एवं अन्य कला संस्थान जो देश के अन्य नगरों में हो।

